एनसीपी मर्जर को 12 फरवरी की तय हुई थी तारीख

● अजित ने ख़ुद की थी बात शरद पवार ने तोड़ी चुप्पी

मुंबई, (एजेंसी) अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के भविष्य को लेकर मचे घमासान के बीच शरद पवार ने शनिवार को चुप्पी तोड़ी है। बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि दोनों गुटों के विलय की तैयारी अंतिम दौर में थी, लेकिन अब उस पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं।

शरद पवार ने स्वीकार किया कि उनके और अजित पवार के गुट के बीच पिछले चार महीनों से विलय को लेकर बातचीत चल रही थी। उन्होंने बताया कि यह अजित पवार की ही इच्छा थी कि दोनों पक्ष फिर से साथ आएं।

शरद पवार के अनुसार, विलय के लिए 12 फरवरी 2026 की तारीख लगभग तय हो चुकी थी। इस प्रक्रिया में शरद पवार गुट से जयंत पाटिल और खुद अजित पवार सीधे तौर पर बातचीत कर रहे थे। शरद पवार ने अफसोस जताते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से अजित दादा की मौत ने इस प्रक्रिया को रोक दिया है। ऐसा लगता है कि अब यह प्रक्रिया रुक जाएगी।'

आज शाम 5 बजे होने वाले सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर शरद पवार ने दूरी बनाए रखी। उन्होंने कहा, 'मुझे सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री बनने के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। मुझे भी यह समाचारों के माध्यम से ही पता चला है।' उन्होंने संकेत दिया कि यह फैसला अजित पवार गुट के आंतरिक नेताओं (प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे) का है और शायद इसमें महायुति सरकार की जल्दबाजी भी शामिल है।

जब उनसे परिवार में मतभेद के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि परिवार संकट की घड़ी में एक साथ है, लेकिन राजनीतिक फैसले मुंबई में लिए जा रहे हैं।

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

विज्ञापनों और ख़बरों के लिए बड़ा धमाका!

अब अपने व्यापार, ईवेंट या जाहिर सूचना को पहुँचाएँ जन-जन तक।

सेवाएँ: समाचार, विज्ञापन, जाहिर सूचना और कानूनी नोटिस।

रेट: बाज़ार में सबसे कम (न्यूनतम दर)।

अपनी फाइल अभी भेजें और उचित स्थान पाएँ।

संपर्क:
मनीष धार्मिक
मो. 9770313335

सोना-चांदी सर्वोच्च शिखर पर | चांदी ₹2,91,922 | सोना ₹1,49,075

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 197 | इंदौर, शनिवार 31 जनवरी, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

मुख्यमंत्री, म.प्र. संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के राज्य स्तरीय सम्मेलन में हुए शामिल

संविदाकर्मियों का सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना राज्य सरकार का दायित्व

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संविदाकर्मियों के श्रम और विश्वास पर ही राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में सफल हो रही है। संविदाकर्मियों की भूमिका हनुमान जी के समान है। आपके श्रम और साझेदारी ने ही शासन-प्रशासन की व्यवस्था बनाई रखी है। संविदाकर्मी अनुबंध से अवश्य आते हैं, किन्तु व्यवस्थाओं के प्रबंधन में विराट भूमिका निभाते हैं।

स्वास्थ्य सेवाएं हों या शिक्षा, पंचायत, नगरीय निकाय या तकनीकी सेवाएं मैदानी स्तर पर सर्वे, मॉनीटरिंग और क्रियान्वयन में संविदा भाई-बहन हर जगह व्यवस्था के भरोसेमंद स्तंभ बनकर खड़े हैं। संविदाकर्मियों ने जिस निष्ठा से काम किया है, उसने यह सिद्ध कर दिया कि सेवा पद से बड़ी है। संविदाकर्मी राज्य सरकार का कार्यबल ही नहीं, हमारा आत्मबल भी हैं। भारतीय मजदूर संघ के 'देश के हित में करेंगे काम' के वाक्य को हमारे साथी चरितार्थ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को टीटी नगर दशहरा मैदान में भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश संविदा संयुक्त संघर्ष मंच के 'संविदा कर्मचारी-अधिकारी सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर तथा भारत माता और श्रद्धेय दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के कार्यक्रम स्थल आगमन पर पुष्प वर्षा कर और बड़ी माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि हमारी सरकार संविदा कर्मियों के अधिकारों के लिए सदैव सकारात्मक भाव के साथ खड़ी है। राज्य सरकार द्वारा संविदा कर्मियों के सेवा सुधार, पारिश्रमिक सुधार, कार्य परिस्थिति और भविष्य के सुधारों पर पहले भी सकारात्मक निर्णय लिए गए हैं, भविष्य में भी उनका पूरा ध्यान रखा जाएगा। हमारी सरकार संविदा कर्मियों की सुरक्षा का ध्यान रखते हुए सभी मुद्दों का समाधान निकालेगी। संविदा कर्मचारियों के लिए जो भी निर्णय हो सकते हैं, उससे अधिक करने का प्रयास करेंगे। नियम, न्याय और वित्तीय संतुलन के दायरे में रहते हुए संविदाकर्मियों की कठिनाइयों का हल निकाला जाएगा। मध्यप्रदेश संविदा संयुक्त संघर्ष मंच, वित्त और सामान्य प्रशासन विभाग के साथ समन्वय करते हुए सभी कठिनाइयों का समाधान इस प्रकार किया जाएगा, जिससे संविदाकर्मियों का सम्मान और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हों। संविदाकर्मियों की उचित मांगों पर राज्य सरकार संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ उनका सहयोग करेगी। सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का श्री कुलदीप सिंह गुर्जर, श्री दिनेश सिंह तोमर, श्री गोविंद श्रीवास्तव, श्री दुर्गेश तिवारी तथा संयुक्त संघर्ष मंच के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया। श्री दिनेश तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश संविदा संयुक्त संघर्ष मंच में प्रदेश के 34 विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कर्मचारी हित में निरंतर कार्य कर रही है। भारतीय मजदूर संघ ने प्रदेश के संविदा कर्मचारियों की मांगों को समझा है। प्रदेश महामंत्री श्री कुलदीप सिंह गुर्जर ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रदेशभर से पधारे संविदा अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑफिस में पहुंचे इनकम टैक्स के अधिकारी

देश के बड़े कारोबारी ने खुद को मारी गोली

बेंगलुरु, (एजेंसी) कॉन्फिडेंट ग्रुप के चेयरमैन रॉय चिरियानकंदथ जोसेफ उर्फ सीजे रॉय ने शुक्रवार को कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के लैंगफोर्ड रोड स्थित अपने ऑफिस में कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। सूत्रों के अनुसार, घटना के समय इनकम टैक्स के अधिकारी उनके कार्यालय में मौजूद थे।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, घटना दोपहर में कार्यालय-सह-बंगले में घटी है। सीजे रॉय ने कथित तौर पर अपने पास मौजूद पिस्टल का इस्तेमाल किया है। गोली लगने के तुरंत बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया और फिर नारायण अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, सूत्रों ने बताया कि घटना के दौरान इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी उनके ऑफिस में मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक, सीजे रॉय केरल की अग्रणी रियल एस्टेट फर्मों में से एक के मालिक थे। उनका कारोबार देश और विदेश में फैले हुए थे।

कटाक्ष

©www.detectivegroupreport.com

200 से अधिक पेड़ों की कटाई पर अंतरिम रोक, हजारों तोतों को मिल गई मोहलत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। रीगल तिराहे पर बन रहे मेट्रो स्टेशन के लिए पेड़ों की कटाई और हजारों पक्षियों की सुरक्षा का मामला हाईकोर्ट में पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने पेड़ों की कटाई पर 16 फरवरी तक स्टे लगा दिया है। हाईकोर्ट ने प्रशासन से पूछा है कि क्या आपने वहां पर पेड़ों की कटाई की अनुमति ली है। 16 फरवरी तक प्रशासन को इस मामले में लिखित अनुमतियां पेश करना है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में प्रियांशु जैन की याचिका पर सुनवाई हुई। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता लवलेश सारस्वत ने पक्ष रखा। वहीं प्रतिवादी की ओर से उप महाधिवक्ता सुदीप भार्गव और अधिवक्ता विकास जायसवाल उपस्थित हुए। यह जनहित याचिका इंदौर के रानीसराय क्षेत्र (एस.

पी. ऑफिस परिसर) में मेट्रो रेल ब्रिज निर्माण के उद्देश्य से लगभग 200 से अधिक पेड़ों की प्रस्तावित और जारी कटाई के विरुद्ध दायर की गई थी। याचिका में यह गंभीर चिंता जताई गई कि यदि इस कार्रवाई को तत्काल नहीं रोका गया, तो इससे पर्यावरण का अपूरणीय नुकसान होगा और शहर का पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। तर्क दिया गया कि यह पूरी प्रक्रिया वन संरक्षण अधिनियम 1980 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर बिना अनुमति के की जा रही है। याचिकाकर्ता के वकील ने न्यायालय को अवगत कराया कि ये पेड़ हजारों तोतों का प्राकृतिक निवास स्थान हैं, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित श्रेणी में आते हैं। सुनवाई के दौरान नगर निगम इंदौर के उद्यान अधिकारी द्वारा 9 जनवरी 2026 को जारी एक पत्र का भी हवाला दिया गया। इस पत्र में स्पष्ट किया गया था कि निगम को रानीसराय भूमि पर खड़े पेड़ों को काटने या स्थानांतरित करने के लिए कोई औपचारिक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिकाकर्ता ने जबलपुर मुख्य पीठ द्वारा नीरज गर्ग बनाम भारत संघ के मामले में 26 नवंबर 2025 को दिए गए आदेश का संदर्भ दिया। उस आदेश में न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि राज्य में बिना संबंधित वृक्ष अधिकारी और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की समिति की अनुमति के कोई भी पेड़ काटा या प्रत्यारोपित नहीं किया जाएगा। न्यायालय ने माना कि बिना अनुमति पेड़ों की कटाई संविधान और जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए हैं। न्यायालय ने अंतरिम राहत प्रदान करते हुए निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई की तारीख तक रानीसराय भूमि, रीगल चौराहा, इंदौर में स्थित किसी भी पेड़ को न तो काटा जाएगा और न ही वहां से स्थानांतरित किया जाएगा। इस मामले की अगली सुनवाई अब 16 फरवरी 2026 को निर्धारित की गई है।

तेज रफ्तार मिनी ट्रक दुकान में जा घुसा

चार घायल, एक की हालत गंभीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। धार रोड पर शुक्रवार को एक हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे बनी एक दुकान में तेज रफ्तार आयशर (टाटा 407) वाहन जा घुसा। हादसे में दो नाबालिगों सहित चार लोग घायल हो गए।

चंदन नगर पुलिस के मुताबिक नूरानी नगर के सामने सर्विस रोड पर अनियंत्रित टाटा 407 घुस गई, जिससे दो नाबालिगों समेत चार लोग घायल हो गए। इस दुर्घटना में एक नाबालिग को गंभीर चोट आई है। घटना धार रोड स्थित नट कॉलोनी की बताई जा रही है। हादसा शाम करीब 4 बजे ड्राइवर की लापरवाही से हुआ। तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आकर सर्विस सेंटर संचालक सत्यनारायण (60) पिता मूलचंद निवासी नट कॉलोनी, सिरपुर, हरीश (55) पिता रामचंद्र निवासी द्वारकापुरी, करण (16) पिता दिलीप निवासी कालानी नगर और युवराज (15) पिता दीपक निवासी डायमंड पैलेस घायल हो गए। युवराज की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को वर्मा यूनियन अस्पताल में भर्ती कराया है। चंदन नगर पुलिस ने टाटा 407 वाहन को जब्त कर लिया है। वहीं, हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। जहां यह हादसा हुआ, वहां से करीब 100 मीटर की दूरी पर एसआई राजेंद्र ट्रैफिक पुलिस के जवानों के साथ चेकिंग कर रहे थे। मौके पर बैरिकेड्स भी लगाए गए थे। आशंका जताई जा रही है कि ड्राइवर ने शराब पी रखी थी।

कार पार्किंग को लेकर हुआ विवाद मारपीट में बदला

इंदौर। फूटी कोठी रोड पर शुक्रवार को कार पार्किंग को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद कुछ ही देर में हंगामे और मारपीट में बदल गया। कैट रोड स्थित एक होटल के संचालक जेपी भार्गव अपनी कार फूटी कोठी रोड पर एक कपड़े की दुकान के सामने खड़ी कर रहे थे। इसी दौरान दुकानदार जितेंद्र ने इस पर आपत्ति जताई। स्थानीय लोगों के अनुसार, पार्किंग को लेकर हुई कहासुनी के दौरान दुकानदार और जेपी भार्गव के बीच गाली-गलौज भी हुई। विवाद की सूचना मिलते ही जेपी भार्गव के कुछ परिचित मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि बात बढ़ने पर दुकानदार के साथ मारपीट की गई, जिससे इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद पुलिस दुकानदार को थाने लेकर गई।

स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा में एक स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने निखिल उर्फ बाबा के खिलाफ कारवाई की है।

पीड़िता के मुताबिक वह अपने नाना-नानी के साथ रहती है। आरोपी उसे स्कूल आते जाते परेशान करता है। बात करने के लिए दबाव बनाता है। उसने एक दो बार रास्ता रोका और बात करने के लिए दबाव बनाया। लेकिन मना कर दिया। गुरुवार को पीड़िता अपनी मां के साथ थी। वह एक ज्यूस सेंटर पर रुकी तो वहां आरोपी निखिल आ गया और छात्रा का हाथ पकड़ लिया। पीड़िता ने इसका विरोध किया तो मारपीट करने लगा। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है।

आग लगने से पेट्रोल पंप कर्मचारी की मौत

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में शुक्रवार अलसुबह एक घर में आग लगने से 45 वर्षीय व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान राकेश शर्मा के रूप में हुई है, जो शुक्ला ब्रदर्स पेट्रोल पंप में कर्मचारी था। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चला है।

पुलिस के अनुसार घटना रेवती रेंज इलाके की है। सुबह आसपास के लोगों ने राकेश शर्मा के घर से धुआं निकलते देखा। मोहल्ले के लोग पानी डालकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक राकेश की मौत हो चुकी थी। उसका शव घर के अंदर जली हुई अवस्था में मिला। राकेश के पिता ओंकार शर्मा ने बताया कि राकेश गुरुवार

रात अस्पताल से घर लौटे थे। उनके बड़े बेटे का उसी रात एक्टिवा से एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उसके पैर में फ्रैक्चर आया था। रात में राकेश अस्पताल में बेटे के पास थे और देर रात घर आए थे। अस्पताल में भर्ती बेटे के पास दो बच्चे और मां थी। जबकि एक बेटा दादा के घर पर था। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक मौके से गैस सिलेंडर की नली जली हुई अवस्था में मिली है। आशंका जताई जा रही है कि संभवतः सुबह चाय बनाने के दौरान गैस चालू करते समय आग लगी हो, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।ओंकार शर्मा ने बताया कि सुबह पड़ोसियों ने उन्हें फोन कर घर से धुआं निकलने की जानकारी दी थी। वे मौके पर पहुंचे और आग बुझाई गई, तब राकेश अंदर जला हुआ पड़ा था। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

शादी का प्रस्ताव ठुकराया तो युवती के रिश्तेदारों को भेजे लेटर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। अन्नपूर्णा इलाके में रहने वाले आयुष अग्निहोत्री को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने जुलाई 2025 में एक युवती के बारे में अभद्र भाषा वाले लेटर उसके रिश्तेदारों और पड़ोसियों को भेजे थे। पीड़िता ने इसके बाद बाणगंगा थाने में शिकायत की थी। सात महीने बाद क्राइम ब्रांच को आरोपी का पता चला और शुक्रवार को उसे गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच के एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, जुलाई 2025 में युवती ने शिकायत की थी कि अज्ञात व्यक्ति उसके और उसकी बहनों के बारे में अभद्र भाषा वाले पत्र भेज रहा है, जिससे परिवार और युवती को मानसिक कष्ट हो रहा था। पुलिस ने इस मामले में आयुष अग्निहोत्री निवासी वैशाली नगर को पकड़ा। उसकी शादी पीड़िता की बहन से तय होने वाली थी, लेकिन परिवार ने मना कर दिया था। बदला लेने के लिए उसने न्यूड फोटो वाले पोस्टर भी अलग-अलग डाक घरों से पीड़िता के घर भेजे। आयुष पेशे से इंजीनियर है और डाटा एनालिसिस का काम करता है। उसका युवती से जीवनसाथी डॉट कॉम के माध्यम से परिचय हुआ था। जुलाई 2025 से जनवरी 2026 तक आरोपी सात बार अलग-अलग जगहों से पत्र भेज चुका था, जिनमें उज्जैन, देवास, खातेगांव और अष्टा शामिल हैं। वह टोपी और मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाता था। डीसीपी राजेश त्रिपाठी के मुताबिक, बाणगंगा की टीम सात महीने तक आरोपी तक नहीं पहुंच पाई। इसके बाद क्राइम ब्रांच को 25 दिन पहले यह प्रकरण मिला और सायबर व डेटा टीम की मदद से आरोपी को पकड़ा गया।

युवक ने होटल के कमरे में लगाई फांसी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। छोटी ग्वालटोली इलाके की एक होटल में गुरुवार को एक युवक ने आत्महत्या कर ली। वह दो दिन पहले यहां कमरा लेकर रुका था। शाम को जब कर्मचारी उसे देखने पहुंचा, तब घटना की जानकारी मिली।

छोटी ग्वालटोली पुलिस के मुताबिक मृतक शुभम (26) पुत्र अरुण मेश्राम, निवासी गोपालपुरा, महाराणा प्रताप नगर, महाराष्ट्र का शव चंद्रलोक होटल के कमरे में फंदे पर लटका मिला। शुभम 27 जनवरी की सुबह इस होटल में आया था। गुरुवार दोपहर में वह कर्मचारियों को दिखाई दिया, इसके बाद वह कमरे में चला गया। रात करीब 9 बजे कर्मचारी जब उसे देखने पहुंचा तो काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला गया। बाद में शव फंदे पर लटका दिखाई दिया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने उसके मोबाइल से परिवार के लोगों को जानकारी दी है। शुक्रवार को परिजनों के एमवाय अस्पताल पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। होटल कर्मचारियों के मुताबिक शुभम ने व्यापार के सिलसिले में उन्हें इंदौर आने की बात कही थी।

भारत-न्यूजीलैंड मैच टिकट विवाद

एमपीसीए से प्रशासन ने मांगा जवाब

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 18 जनवरी को हुए भारत-न्यूजीलैंड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच की टिकट बिक्री को लेकर मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) विवादों में आ गया है। टिकटों की तेज बिक्री और कालाबाजारी की शिकायतों के बाद जिला प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया है।

मैच के बाद आयोजित जनसुनवाई में पूर्व पार्षद संजय कटारिया ने टिकटों की बिक्री प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने शिकायत में कहा कि ऑनलाइन टिकट इतनी जल्दी कैसे बिक गए और क्या इसमें कोई अनियमितता हुई है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एडीएम रोशन राय ने एमपीसीए सचिव सुधीर असनानी को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है। पत्र में टिकट बिक्री की पूरी प्रक्रिया को लेकर जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। सचिव को तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करना होगा। भारत-न्यूजीलैंड मैच के सभी टिकट www.district.in वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन बेचे गए थे। टिकटों की कीमत 800 रुपये से लेकर 9 हजार रुपये तक थी। विद्यार्थी छूट और दिव्यांग कोटे के बाद जनरल टिकटों की बिक्री 3 जनवरी को सुबह 5 बजे शुरू हुई थी, जो करीब आधे घंटे में पूरी तरह बिक गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शिकायत के आधार पर टिकट बिक्री में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। एमपीसीए के जवाब के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

व्यांगों को वितरित किये गये नि:शुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के नेतृत्व एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसानी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तथा Inali Foundation के सहयोग से अभिनव कला समाज गांधी हॉल में नि:शुल्क इलेक्ट्रॉनिक कृत्रिम हाथ वितरण शिविर का आयोजन 29 एवं 30 जनवरी को किया गया। जिसमें इंदौर जिले के अलावा विभिन्न जिलों से आए दिव्यांग लाभार्थियों को नि:शुल्क संख्या में 118 आधुनिक silicon / electronic prosthetic hand प्रदाय किये गये। साथ ही लाभार्थियों को कृत्रिम हाथ के सही उपयोग एवं देखभाल की जानकारी भी दी जा रही है। यह पहल दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का सराहनीय प्रयास है।

स्वच्छता के बाद अब इंदौर अंगदान में भी बनेगा नंबर वन बनेगा इंदौर

सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में सामाजिक संगठनों व धर्मगुरुओं की अहम बैठक सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। स्वच्छता के बाद इंदौर अब अंगदान में भी देश में अग्रणी बनेगा। इसके लिये जल्दी ही जनजागरण और संकल्प पत्र भरवाने का अभियान प्रारंभ किया जायेगा। इस अभियान के तहत सामाजिक जनजागरूकता के साथ ही एक लाख से अधिक संकल्प पत्र भरवाये जाएंगे। इसी उद्देश्य से अभियान को सफलतापूर्वक मूर्तरूप देने के लिये चर्चा हेतु आज सांसद श्री शंकर लालवानी की अध्यक्षता में सामाजिक संगठनों एवं धर्मगुरुओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंगदान अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री अन्ना महाराज, डॉ. अनिल भण्डारी सहित अन्य समाजसेवी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे। बैठक में सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंगदान को लेकर किए गए राष्ट्रीय आह्वान पर इंदौर हमेशा की तरह अग्रणी भूमिका निभाएगा। जिस प्रकार इंदौर ने स्वच्छता में देश को मार्ग दिखाया है, उसी प्रकार अब अंगदान में भी नया कीर्तिमान स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अंगदान के लिए ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध है, जहां नागरिक नेत्रदान, त्वचा दान एवं अंगदान की प्रतिज्ञा ले सकते हैं। इसके लिए शहरभर में एक व्यापक जन-जागरण अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान में नगर निगम, महापौर, जिला प्रशासन, सामाजिक संगठन, धर्मगुरु एवं जनप्रतिनिधि सामूहिक रूप से भागीदारी करेंगे। अभियान के तहत ऑनलाईन संकल्प पत्र भरवाये जाएंगे। खासतौर पर कॉलेजों और युवाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक युवा ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर अंगदान की प्रतिज्ञा लें। सांसद श्री लालवानी ने कहा कि सामाजिक संगठनों ने संकल्प लिया है कि वे इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप देंगे।

बैठक में बताया गया कि लक्ष्य के रूप में आगामी एक-दो माह में लगभग एक लाख लोगों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अंगदान के लिए कराने का प्रस्ताव रखा गया है। सभी धर्मगुरुओं के आशीर्वाद और सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता से यह अभियान शहरभर में व्यापक स्तर पर संचालित होगा। सांसद श्री लालवानी ने कहा कि जैसे इंदौर स्वच्छता में देश का सिरमौर बना, वैसे ही अब रक्तदान और अंगदान में भी इंदौर को नंबर वन बनाने का संकल्प लिया गया है।

8 ग्राम सोना, डेढ़ किलो चांदी और 70 हजार नकद ले गए चोर

इंदौर। पाटनीपुरा क्षेत्र में बुधवार रात चोर एक ज्वेलर की दुकान में घुसे और करीब 10 लाख के सोने-चांदी के जेवर एवं नकदी लेकर फरार हो गए। घटना का पता गुरुवार सुबह चला। एमआईजी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

एमआईजी थाना पुलिस के मुताबिक वासुदेव सोनी पाटनीपुरा में शिव शक्ति राशि रत्न एवं ज्वेलरी नाम से दुकान संचालित करते हैं। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाश ताले तोड़कर दुकान में घुस गए और 8 ग्राम सोने, कांच की बरनी में रखे लगभग डेढ़ किलो चांदी के जेवरों के साथ गल्ले में रखे करीब 70 हजार रुपए चोरी करके ले गए। दुकान मालिक ने गुरुवार सुबह करीब 5 बजे ताले टूटे देखे, तो वासुदेव सोनी को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सोनी ने पुलिस को बुलाया। सोनी ने बताया कि चोर सोने-चांदी के जेवर के साथ 70 हजार रुपए नकद ले गए हैं। जेवरों की कीमत 8 से 10 लाख है। पीड़ित व्यापारी ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ही दुकान शुरू की थी और वे मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गुरुवार को ही दुकान में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की तैयारी थी, लेकिन उससे पहले ही चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया।

NEET की तैयारी कर रहे छात्र ने किया सुसाइड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में रहकर नीट की तैयारी कर रहे 20 वर्षीय छात्र ने गुरुवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र अपने किराए के कमरे से पूरे दिन बाहर नहीं निकला, जिसके बाद मकान मालिक ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे की तलाशी ली, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मामले की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान योगेश डाबर (20) पुत्र मूलचंद डाबर के रूप में हुई है, जो खंडवा नाका क्षेत्र में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई कर रहा था। गुरुवार को योगेश के आत्महत्या करने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्ट मार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने योगेश का मोबाइल फोन जब्त किया है, जो लॉक अवस्था में है। फिलहाल मोबाइल से कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के कारणों को लेकर हर पहलू से जांच की जा रही है। मृतक के पिता मूलचंद डाबर ने बताया कि वे मूल रूप से बड़वानी जिले के रहने वाले हैं। वे एमपीईबी में कार्यरत हैं और खेती भी करते हैं। योगेश दो साल से इंदौर में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। परिवार से उसकी एक दिन पहले ही मोबाइल पर बातचीत हुई थी और उस दौरान किसी तरह की परेशानी की बात सामने नहीं आई थी। योगेश के साथ कमरे में उसका एक दोस्त भी रहता था, लेकिन वह कुछ दिन पहले अपने गांव गया हुआ था, जिससे घटना के समय योगेश कमरे में अकेला था। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि छात्र पढ़ाई को लेकर तनाव में हो सकता है, हालांकि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही हो पाएगा।

हाईकोर्ट का आदेश न मानने वाला टीआई सस्पेंड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना, एजेंसी। गुना जिले के कोतवाली थाना प्रभारी टीआई चंद्रप्रकाश सिंह चौहान को हाई कोर्ट ग्वालियर ने सस्पेंड करने और उनके खिलाफ विभागीय जांच बैठाने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने यह कार्रवाई एक युवती की शिकायत पर दर्ज मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार न करने और न्यायिक आदेशों की अवहेलना को लेकर की है। हाई कोर्ट ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए हैं कि एक माह के भीतर पालन प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने 8 अक्टूबर को थाने में शिकायत आवेदन दिया था। युवती ने बताया कि वह कैंट इलाके में रहने वाले एक युवक को पिछले छह वर्षों से जानती थी और दोनों के बीच रिलेशनशिप था। बाद में उसे जानकारी मिली कि युवक पहले से शादीशुदा है। इसके बाद दोनों ने आपसी सहमति से संबंध समाप्त कर लिए। इस दौरान युवक के मोबाइल में दोनों के कुछ निजी फोटो मौजूद थे, जिन पर युवती को कोई आपत्ति नहीं थी। युवती के अनुसार करीब छह महीने पहले युवक की पत्नी ने उसे फोन कर धमकी दी कि उसके पास अश्लील फोटो हैं, जिन्हें वह सोशल मीडिया पर वायरल कर देगी। 27 सितंबर को युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर देखा कि आरोपी महिला ने उसकी निजी तस्वीरें पोस्ट कर दी हैं। जब युवती ने इसका विरोध किया तो आरोपी महिला ने फोटो हटाने से इनकार करते हुए और फोटो वायरल करने की धमकी दी।

3 छात्राओं पर कटर से हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में एक सिरफिरे बाइक सवार ने अयोध्या नगर और पिपलानी इलाके में तीन छात्राओं पर कटर से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दो छात्राओं को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि एक को मामूली चोट लगी है। घटना गुरुवार देर रात की है। शुक्रवार को पिपलानी और अयोध्या नगर पुलिस ने अलग-अलग FIR दर्ज की हैं। आरोपी की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। दोनों थानों की पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। एसीपी अदिति भावसार ने बताया कि 21 वर्षीय पीड़िता पिपलानी इलाके में रहती है और एक निजी कॉलेज की छात्रा है। रात करीब 11 बजे वह घर के पास टहल रही थी। इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार युवक से उसकी बहस हो गई। इसके बाद आरोपी ने कटरनुमा धारदार हथियार से उसके पैर पर हमला किया और मौके से फरार हो गया। आरोपी ने अपना चेहरा रुमाल से ढक रखा था।

बीजेपी ऑफिस में मंत्रियों का ड्यूटी रोस्टर बना

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। लगातार सत्ता में रहने के बावजूद बीजेपी कार्यकर्ता ही अपने काम के लिए मंत्रियों और अफसरों के घर, दफ्तर के चक्कर काटते रहते हैं। कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुलझाने के लिए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने रोज एक मंत्री को बीजेपी ऑफिस में बिठाने की शुरुआत की है। फरवरी महीने में मंत्रियों का ड्यूटी रोस्टर बनाकर जारी कर दिया गया है। सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर एक बजे से तीन बजे तक रोस्टर के अनुसार मंत्री बीजेपी कार्यालय में बैठकर कार्यकर्ताओं से मिलेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। मंत्री के साथ एक प्रदेश पदाधिकारी की भी ड्यूटी लगाई गई है। संगठन से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए प्रदेश पदाधिकारी काम करेंगे।

● डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव काकि या शुभारंभ

मध्यप्रदेश के फूलों की सुगंध पहुंच रही है पेरिस और लंदन: मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुष्प केवल प्रकृति की नहीं हमारे भावों की भी सुंदर और सशक्त अभिव्यक्ति हैं। जन्म से लेकर जीवन के हर मंगल अवसर तक पुष्प हमारे भावों को अभिव्यक्त करते हैं। वर्तमान में यही पुष्प किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और निर्यात क्षमता को मजबूत बनाने का माध्यम बन रहे हैं। गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश, देश में पुष्प उत्पादन में अग्रणी राज्य है। मध्यप्रदेश के फूलों की सुगंध पेरिस और लंदन तक पहुंच रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को शासकीय गुलाब उद्यान, लिंक रोड क्रमांक-1 में कृषक कल्याण वर्ष-2026 के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के गुलाब उद्यान में आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव की अवधि तीन दिन करने की घोषणा की। प्रदेश में फूलों की खेती का रकबा

निरंतर बढ़ रहा है। प्रदेश के किसान, फूल नहीं अपने मन का भाव दूसरे स्थानों पर भेजते हैं। प्रदेश के 40 हजार किसान पुष्प उत्पादन से जुड़े हैं और 45 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में फूलों का उत्पादन हो रहा है। हर साल लाखों टन फूल गुजरात, महाराष्ट्र सहित विदेशों में भी भेजे जा रहें है। राज्य सरकार किसानों को पुष्प उत्पादन के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और अनुदान में सहायता प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का दूसरा सर्वाधिक पुष्प उत्पादक राज्य है। वर्ष 2021-22 तक राज्य में फूलों की खेती का रकबा 37 हजार हैक्टेयर था, जो अब बढ़कर 44 हजार हैक्टेयर हो चुका है। प्रदेश का पुष्प उत्पादन 86 लाख टन हो गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और किसानों, नर्सरी संचालकों तथा पुष्प प्रेमियों से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों के लिए हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार तथा विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा विभाग के ब्रोशर का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रदेश में उद्यानिकी गतिविधियों पर केन्द्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ। कार्यक्रम में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना और उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित थे।

कृषि में प्रगति के लिए उद्यानिकी का विशेष महत्व : मंत्री श्री कुशवाहा- उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में उद्यानिकी विभाग लगातार नवाचारी कार्यक्रमों के साथ आगे बढ़ रहा है। इस पुष्प प्रदर्शनी में किसानों का मार्गदर्शन करने के लिए उद्यानिकी विभाग के विशेषज्ञ उपस्थित हैं। किसान भाई इस प्रदर्शनी का लाभ उठाएं और अपनी आय बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के लक्ष्य को पूर्ण करने में सहभागी बनें। आयुक्त उद्यानिकी श्री अरविंद दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया है। कृषि में प्रगति के लिए उद्यानिकी का विशेष महत्व है।

फर्जी डॉक्यूमेंट्स से डॉक्टर बने सीताराम शर्मा को 3 साल की जेल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मेडिकल सीट हासिल करने वाले एक शासकीय डॉक्टर को कोर्ट ने शुक्रवार को सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अतुल सक्सेना की अदालत ने आरोपित डा सीताराम शर्मा को दोषी करार देते हुए तीन साल के सश्रम कारावास और दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। हम बता दें कि यह मामला व्यापम घोटाले से जुड़ी कड़ियों का हिस्सा है।

आरोपित सीताराम शर्मा वर्तमान में जिला भिंड के शासकीय चिकित्सालय में चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ है।

उन पर आरोप था कि उन्होंने वर्ष 2009 में पीएमटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, प्रदेश के राज्य कोटे का अवैध लाभ लेने के लिए मुरैना जिले की अंबाह तहसील का एक कूटरचित (फर्जी) मूल निवासी प्रमाण पत्र पेश किया था। मामले की जांच में यह तथ्य सामने आए कि आरोपित मूल रूप से उत्तर प्रदेश का निवासी है उसने अपनी हाईस्कूल (1984) और इंटरमीडिएट (2001) की शिक्षा उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से पूरी की थी। अंबाह तहसील के रिकॉर्ड की जांच करने पर पता चला कि वहां से सीताराम शर्मा के नाम पर कोई मूल निवास प्रमाण पत्र कभी जारी ही नहीं हुआ था।

इस फर्जीवाड़े का खुलासा राज्यसभा सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की उस शिकायत के बाद हुआ था, जिसमें उन्होंने बताया था कि उत्तर प्रदेश के अभ्यर्थी फर्जी दस्तावेजों के जरिए मध्य प्रदेश की मेडिकल सीटों पर कब्जा कर रहे हैं। इस मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक आकिल खान और सुधाविजय सिंह भदौरिया ने मजबूती से पक्ष रखा।

सीएम का तंज

मगरमच्छों को वैसे तो पकड़ते हैं पर हमारे वन अफसरों ने छोड़ने का काम किया

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईएफएस सर्विस मीट में मगरमच्छों को लेकर तंज कसते हुए कहा है कि वैसे तो मगरमच्छों को पकड़ने की बात होती है, छोड़ने पर सवाल खड़े होते हैं, लेकिन वन विभाग की ओर से मगरमच्छों को छोड़ने का मामला तो कुछ मुश्किल लगा। यहां मगरमच्छों को छोड़ना पकड़ना होता रहता है। उन्होंने प्रदेश के वन विभाग की गतिविधियों और प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते का पुनर्स्थापना वन विभाग की दक्षता से ही संभव हो पाया। चंबल में घड़ियाल और नर्मदा नदी में मगरमछ छोड़ने का अनुभव अद्भुत रहा। उन्होंने कहा कि वन, वन्य जीव और क्षेत्रीय रहवासियों के बीच निर्भयता वाले संबंध वन विभाग की सेवाओं से ही संभव हो पाए।

मंत्रालय में शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन धारण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में महात्मा गांधी के बलिदान दिवस एवं वीर शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन धारण किया गया। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य सचिव श्री जैन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ शहीदों की स्मृति में 11 बजे दो मिनिट का मौन धारण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, श्री मनु श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव श्री पी. नरहरि, सचिव श्री एम. रघुराज, श्री मनीष सिंह सहित मंत्रालय वल्लभ

भवन, सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

जिला अस्पताल के प्रसूता वार्ड से 90 महिलाएं गायब!

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बालाघाट, एजेंसी। जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर स्थित प्रसूता वार्ड से जनवरी माह में 90 प्रसूति प्रकरणों के बिना सूचना अस्पताल छोड़ने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। इसका खुलासा उस समय हुआ जब कलेक्टर मृणाल मीणा ने शुक्रवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल जांच के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को जानकारी दी गई कि जनवरी माह में 90 ऐसी महिलाएं अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती हुईं, लेकिन बाद में बिना किसी औपचारिक सूचना या डिस्चार्ज प्रक्रिया के अस्पताल से चली गईं। कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप को निर्देश दिए कि वे तत्काल एक टीम गठित कर पूरे मामले की विस्तृत जांच कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

नौसेना को मिला स्वदेशी कवच

भारतीय नौसेना को जल्द ही देश की पहली 'मेड इन इंडिया' अनमैन्ड इंटरसेप्टर क्राफ्ट मिलने जा रही है। पुणे की एक डिफेंस फर्म, सागर डिफेंस इंजीनियरिंग इस प्रोजेक्ट में लगी है, जल्द ही ये कंपनी अनमैन्ड इंटरसेप्टर क्राफ्ट नौसेना को सौंप देगी। ये खास तरह की ऑटोमेटिक हथियारबंद अनमैन्ड फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट है। ये क्राफ्ट इंडियन नेवी को अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने में मदद करेंगे और भारतीय तट के साथ स्पेशल मिशन अहम मजबूती प्रदान करेंगे। इन अनमैंड फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट्स की एंट्री से नौसेना को अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में काफी सपोर्ट मिलेगा। भारतीय नेवी की ताकत में कई गुना बढ़ोतरी हो जाएगी। इन अनमैन्ड हथियारबंद क्राफ्ट्स के नौसेना में आने से भारत भी उन देशों की लिस्ट में शामिल हो जाएगा जिनके पास हथियार ले जाने वाली वेसल स्वार्म यानी जहाजों का ग्रुप बनाने की तकनीक है। सूत्रों ने TOI को बताया कि सागर डिफेंस की पुणे फैक्ट्री से दो नए FICs का पहला बैच शुक्रवार को नौसेना को पश्चिमी तट पर कहीं तैनात करने के लिए भेजा गया था। नौसेना ने 5 जनवरी, 2022 को सागर डिफेंस के साथ एक डील साइन करने के बाद ऐसे 12 हथियारबंद बोट स्वार्म का ऑर्डर दिया था। ये फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट को पूरी तरह से भारत में डिजाइन, डेवलप और मैन्युफैक्चर किया गया है। यह iDEX–DIO फ्रेमवर्क के तहत डिफेंस टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भरता को लेकर राष्ट्र के विजन का अहम प्रमाण है। यह क्राफ्ट खास मिशन के लिए जरूरत पड़ने पर 14 से अधिक कर्मियों को ले जाने में सक्षम है। इस अनमैंड फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट्स की ऑपरेशनल रेंज 400 नॉटिकल मील या लगभग 800 किमी है। यही वजह है कि ये क्राफ्ट तटीय इलाकों में ऑपरेशन के लिए और भी फ्लेक्सिबल हो जाती हैं। इन्हें तेजी से किसी जगह पर पहुंचने या लोगों को निकालने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।FICs से कैसे खास क्लब में इंडियन नेवी। देश की पहली ऑटोमेटिक हथियारबंद अनमैन्ड फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट लंबी दूरी तक गश्त लगाने और तुरंत कार्रवाई करने वाले ऑपरेशनों के लिए दमदार हथियार साबित हो सकती हैं। इन क्राफ्ट्स में अलग-अलग तरह के हथियार लगाने की सुविधा है। इससे ये अनमैन्ड क्राफ्ट्स समुद्री चुनौतियों और हाई-इंटेंसिटी कॉम्बैट जैसी स्थितियों में तुरंत और प्रभावी ढंग से कार्रवाई कर सकती हैं। अभी की मौजूदा स्थिति पर गौर करें तो भारतीय नौसेना को इजरायल से इंपोर्ट की गई अनमैन्ड सरफेस वेसल्स पर निर्भर रहना पड़ता था। वो भी सिर्फ माइन काउंटर-मेजर यानी बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय करने में ही सपोर्ट कर रही थीं। हालांकि, अब देश की पहली 'मेड इन इंडिया' अनमैन्ड इंटरसेप्टर क्राफ्ट के आने से भारतीय नेवी की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी।

मुंशी प्रेमचंद की कहानी

विजय

शहजादा मसरूर और मलका मखमूर दोनों शादी करके काफी खुश रहने लगे। मसरूर गाय चराता और खेत जोतता, तो वहीं मखमूर खाना पकाती और चरखा चलाती। इस तरह दोनों मिलजुल कर अपना जीवन चलाते थे। दोनों अपनी इस शादी-शुदा जिंदगी से काफी खुश थे। उनके जीवन में कोई फिक्र या परेशानी नहीं थी, लेकिन जैसे हर दिन एक जैसा नहीं रहता, उसी तरह उनके भी दिन बदलने लगे।

इसका कारण था मसरूर के दरबार का नजरबंद सदस्य बुलहवस खां। बुलहवस खां एक फसादी आदमी था, जिस वजह से उसे दरबार से नजरबंद (निगरानी में रखना) किया गया था। अब वह धीरे-धीरे मलका मखमूर का खास बन गया। मलका अपने सभी सलाह उसी से लेने लगी। उसके पास एक हवाई जहाज था, जिस पर बैठकर वो महज कुछ ही मिनटों में हजारों मील दूर दुनिया की सफर करता और खबर लाता था। कभी-कभी मलका भी उस जहाज पर बैठकर दूसरे देशों की सैर करती थी। बुलहवस कहता था कि बादशाह को अपना साम्राज्य अन्य देशों में भी फैलाना चाहिए। उन्हें दूसरे देशों पर कब्जा करके धन कमाना चाहिए। इसी तरह की कई बातें करके वह मलका के कान भरता और मलका भी उसकी बातों को ध्यान से सुनती। धीरे-धीरे मलका के मन में भी बुलहवस की बातें घर कर गई और उसे अभी अपना सुखी जीवन परेशान करने लगा।

मगर मसरूर एक शांतिप्रिय व्यक्ति था। धीरे-धीरे दोनों पत्नी-पत्नी के बीच कलह बढ़ने लगी और उनके रिश्ते में सिर्फ संदेह रह गया। इतना ही नहीं, उसके कुछ दरबारी भी उसका विरोध करने लगे। इन सबसे परेशान होकर एक दिन उसने सारी सल्तनत मलका के हवाले कर दी और खुद एक पहाड़ी इलाके में जाकर छिप गया।

इस बात को वर्षों गुजर गए। अब मलका अपने सल्तनत की रानी थी। दूसरे देशों पर कब्जा करने के लिए उसने एक बड़ी सेना तैयार कर ली थी। जिसे लेकर उसने कई पड़ोसी मुल्कों पर आक्रमण किया और उन्हें लूटा भी।

वहीं, इन सबके बीच उसके सल्तनत में अब पहले जैसी शांति नहीं थी। उसके लोग आपस में ही एक-दूसरे के विरुद्ध हो रहे थे। इन्ही में से एक था कर्णसिंह बुन्देला। उसकी अपनी ही एक अलग फौज थी, जो मलका के कारनामों के खिलाफ था। उसकी फौज कोई हथियार बंद सेना नहीं, बल्कि गाने-बजाने वाले लोगों से भरी हुई थी। एक दिन कर्णसिंह बुन्देला की फौज ने मलका के महल में चढ़ाई कर दी। मलका को लगा कि वो इन्हें आसानी से हर देगी। यही सोचकर मलका ने कर्णसिंह के काफिले पर हमला करने के लिए अपनी सेना भेजी। उसकी सेना ने जब वहां पहुंचकर कर्णसिंह और उसके काफिले के गीत सुनें, तो उनके दिमाग पर एक नशा छाने लगा। जिसने भी उनका गीत सुना नशे में खोकर बेहोश गया। मलका दूर से यह सारा माजरा बस देखे जा रही थी। फिर उसने खुद वहां पर जाने का फैसला किया, लेकिन मलका का हाल भी उसकी सेना जैसा ही हुआ। उन गीतों की आवाज सुनते ही वह भी मदहोश होकर बेहोश हो गई।

इसके बाद कर्णसिंह शाही महल में पहुंचता है और अपना गीत गाना बंद कर देता है। जैसे ही उसका गीत बंद होता है, मलका होश में आती है और उसने कर्णसिंह से फिर से वही राग सुनाने की इच्छा जाहिर करती। मलका के साथ ही होश में आए, उसके सिपाहियों ने भी अपना मत देते हुए कहा कि उन्हें भी वही राग सुनना है।

उन्हीं के सल्तनत में सूबेदार लोचनदास भी रहता था। जब उसे कर्णसिंह के विजय की खबर मिली, तो उसने भी विद्रोह करने की ठानी। वह भी अपनी फौज लेकर राजधानी में आ गया। मलका ने भी अपने सैनिकों को युद्ध करने के लिए तैयार रखा हुआ था, लेकिन इस बार भी यही हुआ। बंदूक और तलवार जैसे हथियारों से बंधे उसके सैनिक सूबेदार लोचनदास की सरकस करने वाली फौज के सामने एक पल भी नहीं टिके। जैसे ही उसके सैनिक युद्ध मैदान में गए, वहां पर सुन्दर नर्तकियों, एक्टर, सर्कस और बाइस्कोप देखकर वो सभी अपना होश खो बैठे। सूबेदार लोचनदास की सरकस फौज बर्फिस्तानी चोटियों और बर्फ के पहाड़ से लेकर पेरिस का बाजार, लंदन का एक्सचेंज, अफ्रीका के जंगल, सहारा के रेगिस्तान और जापान की गुलकारियां जैसे सैकड़ों विचित्र आकर्षक दृश्य सर्कस में दिखा रहे थे। मलका की पूरी फौज युद्ध भूलकर बेतहाशा होकर इन दृश्यों को देखते हुए बेहोश हो गए। यहां तक कि मलका भी बेहोश हो गई।

वहीं, लोचनदास अपनी विजय की हुंकार लगाते हुए, जब शाही महल में आया, तो मलका और उसके सिपाही होश में आए। एक बार फिर से उन्होंने लोचनदास से वही तमाशा देखने की इच्छा जाहिर की।

इसी तरह अपनी दूसरी हार देखकर मलका मखमूर को बहुत दुख हुआ। वह पूरा दिन सोचती रहती कि, अगर इसी तरह चलता रहा, तो एक दिन उसका सारा राज्य उसके हाथ से निकल जाएगा। इन हालातों के लिए वह शाह मसरूर को कोसती भी थी। उसका सोचना था कि अगर मसरूर इस तरह सल्तनत से न जाते, तो आज उनकी ऐसी दशा नहीं होती। इसके बावजूद भी मलका में ठाना की वो अपनी सल्तनत को बचाने के लिए मसरूर की मदद नहीं लेगी।

मलका जब भी उन आकर्षक गीतों को सुनती और मनमोहक सर्कस के दृश्य देखती, तो उसे अपने सल्तनत की खबर नहीं रहती। वह सब कुछ भूलकर बस आनंद महसूस करती थी।

एक दिन बुलहवस खां ने लिखा कि, उसे उसके दुश्मनों ने घेर लिया है और वो चारों तरफ से हमला कर रहे हैं। बुलहवस खां के संदेश का मलका पर कोई असर न हुआ। मलका और उसकी फौज गाने सुनने और दृश्य देखने में ही व्यस्त थे।

इतने में दो सूबेदारों ने फिर से बगावत कर दी। इस बार मिर्जा शमीम और रसराज सिंह ने मिलकर राजधानी पर हमला किया। मलका की फौज में अब न पहले जैसी वीरता थी और न ही सल्तनत को बचाने की आग। गाने-बजाने और सैर-तमाशे ने उन्हें आराम से रहने वाला बना दिया था। वहीं, मिर्जा शमीम की फौज के सिपाही भी लड़ाकू नहीं थे। उसके किसी सिपाही के हाथ में फूलों के गुलदस्ते थे, तो किसी के हाथ में इत्र की खुशबूदार शीशियां थी। पूरे मैदान में बस मनमोहक खुशबू ही खुशबू फैली हुई थी। वहीं, दूसरी तरफ रसराज की सेना में किसी सिपाई के पास बर्फी और मलाई की टोकरी थी, तो किसी के पास कोरमे और कबाब थे। कोई खुबानी और अंगूर लिए खड़ा था, तो कोई इटली की चटनी और फ्रांस की शराब।

मलका की फौज जैसे ही मैदान में आती है, वह मिर्जा शमीम की सुगंधित खुशबू सूंघते ही मदहोश हो जाती है। उसकी सेना ने अपने तलवार फेंक दिए और रसराज के स्वादिष्ट पकवानों का लुत्फ लेने लगे। इस बार उसकी फौज का हाल भिखारियों जैसा हो गया था, जो तरह-तरह के खाने के लिए अपना हाथ फैलाए मांग रही थी। सब कुछ खाने के बाद उसकी पूरी फौज वहीं पर बेहोश होकर ढेर हो गई। यही हाल मलका का भी था। वह भी जी भर खा-पी लेने के बाद बेहोश हो गई।

अब मलका अपनी पूरी सल्तनत हार चुकी थी। वह अब इन लोगों की गुलामी करने लगी। कभी कर्णसिंह के दरबार में हाजिर लगाती, तो कभी मिर्जा शमीम की खुशामद करती थी। हां, कभी-कभी थक जाने या बीमार होने पर अकेले बैठकर घंटों रो लेती थी। वह मन ही मन चाहती थी कि मसरूर को मनाकर वापस ले आए, लेकिन अगले ही पल उसका मन बदल भी जाता था।

बुलहवस खां ने जब सल्तनत की यह कमजोरी देखी, तो उसने भी मलका से बगावत करने की ठानी। उसकी फौज ने अगले ही पल में मलका की फौज को हरा कर उसे बंदी बना लिया। गिरफ्तार करने के बाद मलका को एक कैदखाने में बंद करवा दिया गया। अब वह किसी का सेवक नहीं था, बल्कि खुद मलका का स्वामी बन गया था।

जिस कैदखाने में मलका को कैदी बनाया गया था, वह काफी विचित्र था। वह कैदखाना इतना लंबा-चौड़ा था कि वहां से कोई बाहर नहीं भाग सकता था। वहां पर कोई पहरेदार नहीं थे, न ही कैदी के हाथों-पैरों में कोई बेड़ियां थी। फिर भी मलका अपने पूरे शरीर को तारों से बंधा हुआ महसूस करती थी। वह उस कैदखाने में अपनी इच्छा से हिल भी नहीं सकती थी। कैदखाने में दिन के समय वह जमीन पर मिट्टी के घरौंदे बनाती थी और उन्हें महल की तरह समझती थी। पत्थरों के टुकड़ों को गहनों की तरह पहनती और कहती कि उसके सामने हर तरह के हीरे-जवाहरात फीके हैं।

ऐसे ही कई दिन गुजर गए। मिर्जा शमीम, लोचनदास सभी उसे हर वक्त घेर कर रखते थे। उन लोगों के मन में डर भी था कहीं वह कैद में रहते हुए भी शाह मसरूर तक कोई संदेश न भेज दे। वहीं, मलका भी उस कैद से निकल भागने की सोचने लगी।

एक दिन मलका बैठी-बैठी सोचने लगी कि, जो पहले उसके इशारों पर नाचते थे, अब वही उसके मालिक बन गए हैं। वो जैसा चाहते हैं उसे वैसे ही अपने इशारों पर नचाते हैं। उसे अब अफसोस होने लगा था कि उसे शाह मसरूर की बात मान लेनी चाहिए। वह दिन-रात बस इस कैदखाने से भागने और शाह मसरूर से मिलने का सोचती रहती। इसके बाद उनकी हर बात मानने की भी कसम खाती। खुद को कोसती कि उसके इस नमक हराम बुलहवस खां की बातें क्यों सुनी। यही सब सोचते-सोचते मलका रो रही थी कि अचानक उसने अपने सामने एक हंसी लिए चेहरे वाला पुरुष देखा, जिसने सादे कपड़े पहने हुए थे।

मलका ने आश्चर्यचकित होकर उससे पूछा- आप कौन? मैंने आपको पहले यहां नहीं देखा है।

पुरुष- मैं इसी कैदखाने की देखरेख करता हूं, लेकिन मैं यहां बहुत कम आता हूं। जब किसी कैदी की तबीयत खराब होती है, तो उसे यहां से निकलने में मैं मदद करता हूं।

मलका ने फिर पूछा- 'आपका नाम क्या है?'

पुरुष ने जवाब दिया- 'संतोख सिंह।'

मलका- 'क्या आप मुझे इस कैद से बाहर निकाल सकते हैं?'

संतोख- 'हां निकाल सकता हूं, लेकिन इसके लिए आपको मेरी बताई बातों को मानना होगा।'

मलका- 'मैं आपके सारे हुक्म मानूंगी। खुदा के लिए मुझे बस यहां से बाहर निकाल दें। मैं पूरी उम्र आपकी शुक्रगुजार रहूंगी।'

संतोख- 'आप कहां जाना चाहती हैं?'

मलका- 'मुझे शाह मसरूर से मिलना है। क्या आपको पता है कि वो कहां रहते हैं?'

संतोख- 'हां, मुझे पता है। मैं उन्हीं का नौकर हूं। उन्होंने ही मुझे इस काम पर रखा है।'

मलका- 'तो मेहरबानी करके मुझे यहां से निकालें और मुझे उनके पास ले चलें।'

संतोख- 'ठीक है। तो सबसे पहले तुम्हें ये रेशमी कपड़े और सोने के जवाहरात उतारकर फेंकने होंगे। बुलहवस ने इन्हीं जंजीरों से तुम्हें जकड़ा हुआ है। जो भी सबसे मोटा कपड़ा हो बस वही पहन लो। तुम्हारे पास जितनी भी इत्र की शीशियां हैं सब तोड़ दो।'

मलका ने ठीक वैसा ही किया जैसा संतोख ने करने के लिए कहा। इतने में वहां पर बुलहवस खां आया। रोते हुए कहने लगा- मेरी मालकिन मलका, मैं आपका गुलाम हूं क्या आप मुझसे नाराज हैं?

मलका ने उसकी तरफ देखा और गुस्से में मिट्टी के बनाए घरौंदों को पैरों से गिरा दिया। इसके बाद बुलहवस के शरीर का एक-एक अंग कटकर जमीन पर गिरने लगा। अगले ही पल में वह जमीन पर गिरा और मर गया।

यह देखकर संतोख ने कहा- 'मलका क्या तुमने देखा? तुम्हारा दुश्मन कितनी आसानी से खाक में मिल गया।'

मलका- 'काश! मैं यह बहुत पहले करती, तो आज ऐसे कैद में नहीं होती, लेकिन मेरे अभी और भी दुश्मन हैं।'

संतोख- 'चलो कर्णसिंह के पास चलते हैं। जैसे ही वह अपना गीत गाना शुरू करे, तुम बस अपने कानों पर हाथ रख लेना।'

मलका कर्णसिंह के दरबार में गई। उसे देखते ही दरबार में चारों तरफ से गाने के धुन बजने लगें। मलका ने तुरंत अपने दोनों कानों को बंद कर लिया। इतना करते ही कर्णसिंह के दरबार में आग लग गई। उसके सारे दरबारी जलने लगे। यह सब देखकर कर्णसिंह दौड़ता हुआ मलका के पैरों में गिर पड़ा और बोला- इस गुलाम पर रहम करें, मालकिन। अपना कानों पर से हाथ हटा लें, वरना मेरी जान जा सकती है।

मलका- ठीक है, लेकिन मेरी शर्त है कि फिर कभी तू बगावत नहीं करेगा।

तभी कर्ण सिंह ने संतोख सिंह की तरफ गुस्से में देखा और उसे कोसते हुए दरबार से भाग गया।

इसके बाद संतोख सिंह ने मलका को लोचनदास के पास जाने के लिए कहा। उसे समझाते हुए कहा कि जैसे ही वह अपने करिश्मे दिखाना शुरू करेगा, तुम अपनी आंखें बंद कर लेना।

फिर मलका लोचनदास के पास गई। मलका को दरबार में देखते ही लोचन ने अपने सर्कस के कारनामे दिखाने शुरू कर दिए। इतने में मलका ने अपनी आंखें बंद कर लीं। ऐसा देखकर लोचनदास मलका को सर्कस देखने के लिए उकसाने लगा, लेकिन मलका ने अपनी आंखें न खोलीं।

फिर वह कांपता हुआ मलका के सामने आया और हाथ जोड़कर बोलने लगा- 'मालकिन, कृपया अपनी आंखें खोलें और मुझ पर रहम करें। अगर मुझसे कोई गलती हुई है, तो उसे माफ करने का एहसान करें।'

उसकी बातों को सुनकर मलका ने कहा- 'ठीक है, मैंने तेरी जान बख्श दी है, लेकिन अब फिर कभी यहां पर सिर उठाकर न चलना।'

लोचनदास ने मलका की बातें सुनते ही उसका शुक्रिया किया और वहां से अपनी जान लेकर भाग खड़ा हुआ।

संतोख सिंह फिर दरबार में आता है और मलका से मिर्जा शमीम और रसराज के पास जाने के लिए कहता है। मलका को समझाते हुए कहता है कि उनके पास जाते ही अपने एक हाथ से नाक बंद कर लेना और दूसरे हाथ से पकवानों को नीचे जमीन पर गिरा देना।

इसके बाद मलका रसराज और शमीम के दरबार में जाती है और ठीक वैसा ही करती है, जैसा संतोख ने बताया था। अगले ही पल मिर्जा शमीम और रसराज दोनों के सिर से खून गिरने लगा, उनके शरीर का अंग टूट कर गिरने लगा। इसी हालत में वे मलका के पास आते हैं और गिड़गिड़ाते हुए कहते हैं- 'हुजूर, हम गुलामों पर रहम करें। अगर हमसे कोई गुस्ताखी हुई है, तो उसे माफ करें। दोबारा से ऐसी गलती नहीं होगी।'

मनका ने उनकी बातें सुनकर कहा- 'रसराज को मैं जान से मारना चाहती हूं, क्योंकि उसके कारण ही मुझे जलील होना पड़ा।'

तभी संतोख सिंह ने वहां आकर मनका को ऐसा करने से रोक दिया। उसने मनका से कहा- 'इसे जान से मारना समझदारी नहीं है। इस तरह के सेवक का मिलना कठिन होता है। यह सभी सूबेदारों में अपना काम करने में सबसे बेहतर है। इसलिए इसे जान से मत मारिए, बस अपने काबू में रखिए।'

मलका ने ठीक वैसा ही किया। उसने दोनों की जान बख्श दी और उन्हें खेतावनी देते हुए रिहा कर दिया। वे दोनों अपनी-अपनी जान लिए वहां से भाग गए।

मलका की जीत और आजादी की खुशी की खबर सल्तनत में फैल गई। फौज और उसके लोगों ने उसका खुले दिल से स्वागत किया। वहीं, दूसरी तरफ चारों बागी सूबेदार शहर में घात लगाकर छुप गए। फिर संतोख सिंह ने जब वहां के लोगों और फौज को मस्जिद में शुक्रिए की नमाज अदा करने के लिए ले गए, तो बागियों को वहां पर भी हार मिली। उनका एक भी इरादा सफल नहीं हुआ और वे वहां से चलते बने।

मलका ने संतोख सिंह का शुक्रिया करते हुए कहा- 'मेरे पास इतनी ताकत या कोई शब्द नहीं, जिससे मैं आपके एहसानों का शुक्रिया अदा कर सकूं। अब आप मुझे शाह मसरूर के पास ले चलिए। मैं उनकी सेवा करूंगी और उन्हीं के साथ अपनी पूरी जिंदगी गुजारूंगी।'

संतोख सिंह- 'ठीक है, लेकिन वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत कठिन है, तुम घबराना मत।'

वहां, चलने के लिए मलका ने बुलहवस का दिया हुआ हवाई जहाज मंगाया, लेकिन संतोख सिंह ने उससे जाने के लिए मना कर दिया। उसने कहा कि उसे पैदल ही अपना यह सफर तय करना है। मलका ने इस बार भी ऐसा ही किया।

वह दिन भर बिना कुछ खाए-पिए चलती रही। थकान के कारण उसकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा। उसके पैरों में छाले पड़ गए। उसने संतोख से पूछा कि अभी और कितनी दूर है?

संतोख- 'अभी बहुत दूर है। तुम्हें पूरे रास्ते चुप रहना होगा, क्योंकि बातें करने से मंजिल और भी मुश्किल हो जाती है।'

रात होते-होते वे एक नदी के किनारे पहुंचे। वहां कोई नाव नहीं था। मलका ने संतोख से पूछा कि नाव कहां है?

संतोख ने उसे बताया कि उसे नदी भी चलकर पार करनी होगी।

मलका को नदी में जाने से डर लग रहा था, लेकिन फिर भी उसने हिम्मत जुटाई और नदी पार करने के लिए उसमें उतर पड़ी। अगले ही पल उसे मालूम हुआ कि वह नदी सिर्फ उसकी आंखों का धोखा थी। असलियत में वह बस एक रेतीली जमीन थी। जैसा-जैसे रात बीत रही थी मलका को लग रहा था कि यह सफर तय करते-करते वह मर ही जाएगी। फिर वो इसे पूरा जरूर करेगी।

सुबह तक वो एक पहाड़ी के सामने पहुंच चुके थें। उस पहाड़ की चोटियां आसमान से भी ऊंची थी। संतोख सिंह ने मलका से कहा कि शाह मसरूर इसी पहाड़ी की सबसे ऊंची चोटी पर हैं। फिर उससे पूछा- 'क्या तुम इस पर चढ़ सकती हो?'

मलका ने हिम्मत दिखाते हुए कहा- 'हां, मैं चढ़ने की पूरी कोशिश करूंगी।'

इसके बाद वह तेजी से उस पहाड़ पर चढ़ने लगी। पहाड़ के बीचो-बीच आकर वह थक गई और वहीं पर बैठ गई। तभी फिर से संतोख सिंह उससे कहता है कि एक बार फिर से ऐसी ही हिम्मत करो। उसकी बातें सुनकर मलका फिर से हिम्मत बांधती है और फुर्ती दिखाते हुए पहाड़ पर चढ़ने लगती है। जब वह पहाड़ की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंच जाती है, तो वहां की शुद्ध हवा में सांस लेते हुए उसे एक नई जिंदगी जाने जैसा एहसास होता है। जब उसने संतोख सिंह की तरफ देखा, तो वह आश्चर्य में डूब गई। उसके सामने खड़ा संतोख सिंह का चेहरा शाह मसरूर का बन गया था। उसे देखते ही मलका शाह के पैरों पर गिर गई और रोने लगी। फिर शाह मसरूर ने उसे उठाकर गले लगा लिया।

कहानी से शिक्षा

किसी चीज के मोह में पड़ना या लालच करना खुशहाल जीवन को कैद कर सकता है। वहीं, अगर मजबूत इरादों से इनका सामना किया जाए, तो इनसे छुटकारा पाया जा सकता है।

Bihar

नीट छात्रा हत्याकांड की CBI जांच, नीतीश सरकार ने सिफारिश भेजी, गृह मंत्री सम्राट चौधरी का ट्वीट

पटना, (एजेंसी) बिहार सरकार ने पटना के चित्रगुप्त नगर में नीट छात्रा से हुई दरिंदगी मामले की जांच सीबीआई से करने का आग्रह किया है। शनिवार को उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार से पटना में हुए नीट छात्रा की हत्या के मामले (कांड संख्या- 14/26) को सीबीआई से जांच का आग्रह किया है। घटना का पारदर्शी और न्यायपूर्ण तरीके से उद्भेदन निश्चित किया जाए।

इस मामले में 17 दिनों की जांच के बाद बिहार पुलिस

किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंची है। इधर मृत छात्रा के परिजनों ने एसआईटी की जांच पर सवाल उठाया है। कहा है कि पुलिस सही दिशा में जांच नहीं कर रही है। शुक्रवार को पीड़िता की मां की डीजीपी विनय कुमार के साथ मुलाकात हुई थी। डीजीपी आवास से निकलने के बाद वे काफी गुस्से में दिखीं। यहां तक कह दिया कि पुलिस बिक गई है। यहां उनकी बेटी को न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। मीडिया कर्मियों से मां, भाई और मामा ने बताया कि डीजीपी ने कहा है कि रेप नहीं हुआ था, छात्रा ने आत्महत्या कर ली थी, यह बात मान जाइए। उन्हें गृह मंत्री सम्राट चौधरी से मिलने के लिए कहा गया। पीड़ित परिवार के वकील ने भी बताया कि पुलिस की जांच से परिवार के लोग संतुष्ट नहीं है।

Uttarpradesh

'सजा देना कोर्ट का अधिकार, पुलिस का नहीं', यूपी में एनकाउंटर पर इलाहाबाद HC सख्त

नई दिल्ली, (एजेंसी) इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में बढ़ती पुलिस मुठभेड़ों, खासकर आरोपियों के पैरों में गोली मारकर उन्हें 'एनकाउंटर' बताने की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई है. प्रयागराज में जस्टिस अरुण कुमार देशवाल की सिंगल बेंच ने साफ शब्दों में कहा कि पुलिस कानून से ऊपर नहीं है और अपराधी को सजा देना न्यायपालिका का काम है, न कि पुलिस का. अदालत ने कहा कि प्रमोशन, वाहवाही या सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरने के लिए गोली चलाने की प्रवृत्ति न केवल गलत बल्कि खतरनाक भी है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी के शरीर के किसी गैर-जरूरी हिस्से पर गोली मारना भी कानूनन अस्वीकार्य है. किसी भी एनकाउंटर में यदि फायरिंग या गंभीर चोट होती है तो सख्त नियम स्वतः लागू होंगे. हाईकोर्ट ने पुलिस के लिए 6-पॉइंट गाइडलाइंस जारी करते हुए इनके पालन को अनिवार्य बताया और सुप्रीम कोर्ट के PUCL बनाम महाराष्ट्र मामले में तय दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करने का आदेश दिया. अदालत ने चेतावनी दी कि यदि इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया, तो संबंधित SP और SSP को सीधे तौर पर जिम्मेदार माना जाएगा और व्यक्तिगत रूप से अवमानना की कार्रवाई हो सकती है. कोर्ट ने डीजीपी और गृह सचिव से यह भी पूछा है कि क्या पुलिस अधिकारियों को आरोपियों के पैरों में गोली मारने या मुठभेड़ का दावा करने के लिए कोई मौखिक या लिखित निर्देश दिए गए थे.

New Delhi

सुपरजेट की डील डन!

अब भारत आएगा दुनिया का सबसे चर्चित फाइटर जेट Su-57? बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, (एजेंसी) हाल ही में HAL (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) और रूस की UAC (यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन) के बीच SJ-100 (सुखोई सुपरजेट 100) विमानों के भारत में उत्पादन को लेकर हुए समझौते ने रक्षा गलियारों में हलचल तेज कर दी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या नागरिक विमानों के बाद अब 'खतरनाक' सुखोई Su-57 लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना (IAF) के बेड़े का हिस्सा बनेंगे? भारत और रूस के बीच नागरिक विमानन के क्षेत्र में हुआ यह समझौता 'मेक इन इंडिया' की दिशा में एक बड़ा कदम है। SJ-100 एक क्षेत्रीय जेट है, और इसके स्थानीय उत्पादन से भारत में एयरोस्पेस इकोसिस्टम मजबूत होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी भविष्य के सैन्य समझौतों के लिए एक 'टेस्ट केस' साबित हो सकती है।

Jammu & Kashmir

जम्मू-कश्मीर: डोलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक हफ्ते से छिपे हैं जैश के आतंकी

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में एक बार फिर से सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई है। किश्तवाड़ के डोलगाम इलाके में छिपे आतंकवादियों से फिर से संपर्क स्थापित हुआ है। इसके बाद मुठभेड़ जारी है।

दरअसल, 31 जनवरी 2026 की सुबह डोलगाम के इलाके में व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने आतंकवादियों से फिर से संपर्क साधा। व्हाइट नाइट कॉर्प्स के अनुसार, जॉइंट ऑपरेशन त्राशी-I में घेराबंदी कर दी गई है और ऑपरेशन जारी है।

व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर कहा कि चल रहे जॉइंट ऑपरेशन त्राशी-I के दौरान 31 जनवरी की सुबह डोलगाम के सामान्य इलाके में व्हाइट नाइट कोर, जम्मू और कश्मीर पुलिस और CRPF के जवानों ने आतंकवादियों से फिर से संपर्क स्थापित किया। उन्होंने बताया कि घेराबंदी कर दी

गई है और ऑपरेशन जारी है। पिछले पखवाड़े में यह चौथी बार है जब इलाके में आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया है। उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने किश्तवाड़ का दौरा किया ताकि आतंकवाद विरोधी ग्रिड की समीक्षा की जा सके, क्योंकि जिले में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के समूह को खत्म करने के लिए चल रहा आतंकवाद विरोधी अभियान जारी है।

खेल

विश्व कप से पहले अंतिम योजनाओं को परखेगी भारतीय टीम, न्यूजीलैंड के साथ पांचवां टी20 आज

तिरुवनंतपुरम, (एजेंसी) न्यूजीलैंड के साथ पांचवां और अंतिम टी20 मैच विश्व कप से पहले भारतीय टीम के पास अपनी योजनाओं को परखने अंतिम मौका होगा। शनिवार को होने वाले इस मुकाबले में सीरीज के परिणाम के लिहाज से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भारत 3-1 की बढ़त पर है और सीरीज अपने नाम कर चुका है, लेकिन खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर बड़े मनोबल के साथ विश्व कप का अभियान शुरू करना चाहेगी।

विश्व कप से पहले भारतीय टीम की सबसे बड़ी चिंता ओपनर संजू सैमसन की फॉर्म और ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस है। तिरुवनंतपुरम का ग्रीनफील्ड स्टेडियम सैमसन का घरेलू मैदान है। उम्मीद है कि घरेलू समर्थन के बीच सैमसन का बल्ला जमकर बोलेगा। वहीं, पहले टी20 में अंगुली चोटिल कराने वाले अक्षर इस मैच के बाद से नहीं खेले हैं। हालांकि उन्होंने

शुक्रवार को संजू को अभ्यास कराया। फिट होने पर टीम प्रबंधन उन्हें आजमाना चाहेगा। प्रयोग के लिहाज से भारत ने पिछले मैच में पांच मुख्य गेंदबाजों को खिलाया और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या-शिवम दुबे से गेंदबाजी नहीं कराई। पिछले दो मैचों में आराम देने के बाद मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका मिल सकता है।

प्रबंधन की नजर सैमसन पर रहेगी। वह इस सीरीज में सिर्फ 40 रन बना पाए हैं। फॉर्म के बजाय उनकी तकनीकी कमजोरी चिंता का विषय है जिससे उनका आत्मविश्वास भी डगमगा गया है। बीसीसीआई की ओर से साझा वीडियो से यह स्पष्ट हो गया है कि वह इस हिस्से में सुपरस्टार हैं।

भारत टी20 विश्व कप में अपना पहला मैच सात फरवरी को मुंबई में खेलेगा। देखा जाए तो भारत इस मैच को औपचारिकता नहीं मानेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत से टीम का आत्मविश्वास और ज्यादा बढ़ेगा।

विश्व कप से पहले टीम की एक और चिंता तीन खिलाड़ियों का चोटिल होना है।

अक्षर सीरीज में शामिल हैं, जबकि इस सीरीज के पहले से तिलक और वाशिंगटन सुंदर रिहैब से गुजर रहे हैं। इन तीनों ही क्रिकेटरों को विश्व कप से पहले आजमाने का मौका नहीं मिला है।

इस लिहाज से टीम प्रबंधन की कोशिश रहेगी कि टीम के बाकी सभी खिलाड़ी पूरी लय और फॉर्म के साथ विश्व कप में उतरें।

न्यूजीलैंड की टीम इस मैच में हर हाल में जीत पाना चाहेगी। मेहमान पहले तीन मैचों में भारत के आक्रामक रवैये के सामने बेबस नजर आए, लेकिन चौथे मैच में उन्होंने भारत के प्रमुख बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया। अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव को आउट करने के बाद, न्यूजीलैंड के गेंदबाज शिवम दुबे की तूफानी बल्लेबाजी के बावजूद बाकी बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे।

सिनेमा

सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करना चाहती हैं आलिया भट्ट, बोलीं- रोज सोचती हूं...

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव होने के लिए भी जानी जाती हैं. हाल में एक्ट्रेस ने इसे लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा किया है. जिसके मुताबिक साल 2022 में मां बनने के बाद आलिया की जिंदगी में काफी कुछ बदल गया है. 'एस्क्वायर इंडिया' को दिए एक इंटरव्यू में आलिया ने अपने फेम, निजी जिंदगी और सोशल मीडिया के दबाव के बारे में दिल खोलकर बात की. उन्होंने बताया कि कई बार उनका मन करता है कि वे अपना सोशल मीडिया अकाउंट पूरी तरह डिलीट कर दें और दुनिया की इस चकाचौंध से दूर सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें. आलिया ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया डिलीट करने से वह उन लोगों से कट जाएंगी जिन्होंने लंबे समय से उन्हें सपोर्ट किया है. उन्होंने कहा, 'कई बार मैं सुबह उठती हूं और सोचती हूं, ठीक है, मैं बस अपना सोशल मीडिया डिलीट करना चाहती हूं और एक ऐसी एक्ट्रेस बनना चाहती हूं जो सिर्फ एक्टिंग करे. मैं बार-बार इस बातचीत में शामिल नहीं होना चाहती. मुझे पता है कि इससे उन बहुत से लोगों से मेरा कॉन्टैक्ट खत्म हो जाएगा, जिन्होंने शुरुआत से मुझे सपोर्ट किया है, और मैं ऐसा नहीं करना चाहती.' एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'जब अपनी पर्सनल लाइफ को सच में शेयर करने की बात आती है. अब मेरी पर्सनल लाइफ इतनी पर्सनल है कि मुझे थोड़ी मुश्किल होती है. मेरा फोटो एल्बम राहा की तस्वीरों से भरा है.

Highlights

1. **ED arrests Reliance Communications' ex-Director Punit in ₹40,000-cr fraud case**
2. **Raipur–Visakhapatnam corridor to cut travel time by half**
3. **Actress Devoleena backs Assam CM amid row over his 'Miya' remark**
4. **Police officer caught taking bribe in B'luru, yells to gain public sympathy**
5. **Red Fort blast accused planned attacks on a global coffee chain's outlets in India: Reports**
6. **Karnataka student dies by suicide after officer's insult**

Zijin Mining seeks $1.5 billion from convertible bonds as gold surges

NEW DEIHI, (Agency). Zijin Mining Group Co. has raised $1.5 billion from the sale of bonds that can be converted into stock as the price of gold hits record highs.

The Chinese miner offered convertible bonds due 2031 at zero coupon, according to a stock-exchange filing on Friday. Zijin Mining plans to use proceeds to fund capital expenditure related to the construction of the La Arena gold mine project in Peru, as well as working capital and other general corporate purposes.

The company set an initial conversion price of HK$63.30 a share, representing a premium of about 37% over the last closing price of HK$46.14. Zijin Mining initially marketed the instruments at a conversion-premium range of 35% to 40% above the price of a concurrent delta placement, according to terms of the deal seen by Bloomberg News. Banks typically propose such a placement in convertible-bond deals to facilitate hedging by investors.

Zijin Mining is coming off a flurry of deals as heightened geopolitical tensions and worries about the Federal Reserve's independence fuel a rally in precious metals. Subsidiary Zijin Gold International Co. this week agreed to buy Canada-based Allied Gold Corp., which owns mines in Africa, for C$5.5 billion ($4 billion). Zijin Gold International went public in Hong Kong last year in an initial public offering that raised $3.7 billion.

Chinese miners have been active in fundraising this month. Copper producer CMOC Group Ltd. last week raised $1.2 billion from the sale of convertible bonds. Jiangxi Copper Co. is also planning to raise as much as $3.6 billion from its bond issuance.

The deals by Zijin Mining, CMOC and Jiangxi Copper represent about 40% of the $15.6 billion in bond proceeds raised by Chinese companies in the metals and mining sector in 2025, according to data compiled by Bloomberg. Last year's proceeds were the highest annual total since 2022. Zijin Mining's convertible bond involves a lockup of 90 days for the company. Bondholders will have the right to require Zijin Mining to redeem the bonds on Feb.

Investing Resolutions for 2026: Let Your Money Grow With You

NEW DEIHI, (Agency). As 2026 begins, investors are taking a closer look at how their financial decisions have held up in a changing environment. Career paths are less linear, market conditions shift quickly, and household responsibilities evolve over time. In this context, investing cannot remain static. It needs to adapt as life itself changes.

A more useful way to think about investing is through a life-cycle lens. As life changes, so do financial priorities. What an investor needs in their early working years is very different from what they need when responsibilities peak or retirement comes into view. Across these phases, certain investment instruments tend to appear not because they promise anything, but because they help bring order to decision-making. Investment-grade bonds often fall into this category. A bond is a fixed-income instrument where you lend money to an issuer (such as a company or the government) for a defined period, in return for regular interest payments and repayment of the principal at maturity.

The early years of earning are usually marked by optimism, learning, and the temptation to move fast. Income may be rising, but margins for error are still narrow. At this stage, investing resolutions are often less about markets and more about personal readiness.

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

I AM NOT

- a Lover but will support you.
- a Friend but will guide you.
- a Lawyer but will assist you in getting justice.
- a Police but will help you in finding an evidences.
- an Uncle but will help in knowing your upcoming family's details.
- a Teacher but will suggest you a right direction.
- a Doctor but will cure your problems.
- a Driver but will take you to correct destination.

WHO AM I?

I AM THE DETECTIVE !

Helping Secretly & Securely...

WWW.DETECTIVEGROUP.IN

Visit our website & Submit your Query...
Team will contact you within 24 hrs...

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक